



कुंडली

संपूर्ण जन्म कुंडली विवरण

Sample premium

जन्म तिथि, समय और स्थान	1/1/1990 · 1:09 PM · Delhi
राशि	कुंभ
नक्षत्र	शतभिषा (1)
लग्न	मेष

11 अक्टूबर 2026 को तैयार की गई · freetamiljathagam.in/hi



Sample premium — जन्म कुंडली

freetamiljathagam.in/hi | मुफ्त हिंदी कुंडली

Sample premium | 1/1/1990 | Delhi

जन्म राशि

कुंभ

नक्षत्र

शतभिषा (1)

लग्न

मेष

वर्तमान दशा

शनि

पंचांग विवरण

तिथि: शुक्ल पक्ष पंचमी

योग: सिद्धि

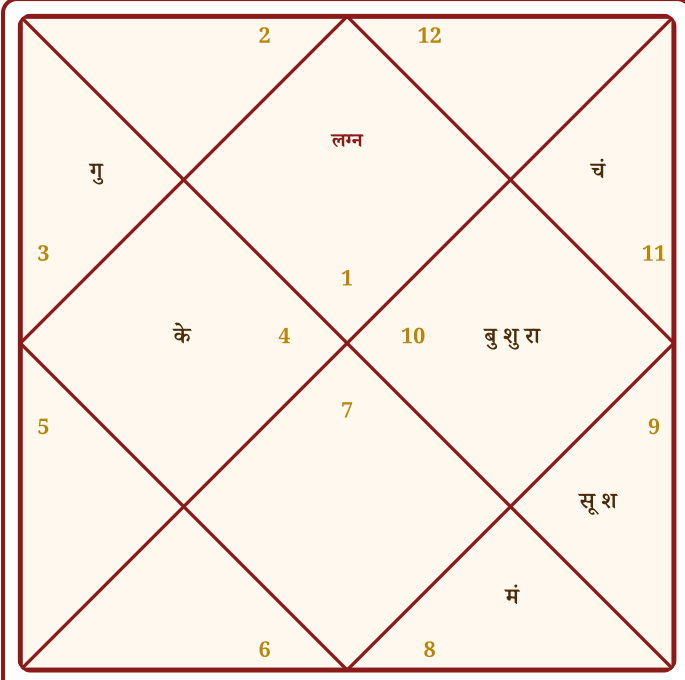
करण: बव

28.70°N, 77.10°E

मूल विवरण

नाम	Sample premium	जन्म तिथि	1/1/1990
जन्म समय	1:09 PM	जन्म स्थान	Delhi
हिंदू तिथि (विक्रम संवत्)	पौष शुक्ल पक्ष पंचमी, विक्रम संवत् 2046	वार	सोमवार
नक्षत्र	शतभिषा (चरण 1)	तिथि	शुक्ल पक्ष पंचमी
योग	सिद्धि	करण	बव
नक्षत्र स्वामी	राहु	नक्षत्र देवता	वरुण
योनि (पशु)	घोड़ा	गण	राक्षस गण
पक्षी	कोयल	वृक्ष	कदंब
योनि (स्त्री/पुरुष)	स्त्री	राशि	कुंभ
राशि स्वामी	शनि	लग्न	मेष
लग्नेश	मंगल		
सूर्योदय	07:15 AM	सूर्यास्त	05:36 PM

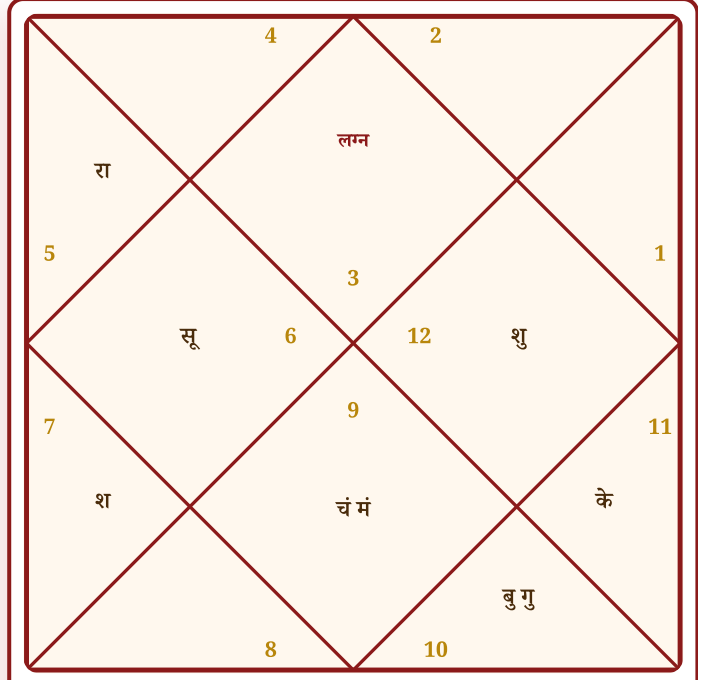
लग्न कुंडली (उत्तर भारतीय)



Sample premium | 1-जनवरी-1990 | 1:09 PM

Generated By freetamiljathagam.in/hi

नवमांश कुंडली (D9)



नवमांश | शतभिषा नक्षत्र

Generated By freetamiljathagam.in/hi

सू=सूर्य चं=चंद्र मं=मंगल बु=बुध गु=गुरु शु=शुक्र श=शनि रा=राहु के=केतु | कोष्ठों में अंक = राशि संख्या (1=मेष ... 12=मीन)

अभी शनि महादशा – बुध अंतर्दशा चल रही है

शनि महादशा: 24 मई 2023 से 24 मई 2042 तक

बुध अंतर्दशा: 27 मई 2026 से 4 फरवरी 2029 तक

इस अंतर्दशा का 14% भाग बीत चुका है

इस अवधि का अर्थ

शनि की महादशा कठोर परिश्रम, अनुशासन और धैर्य का फल देती है। ज़िम्मेदारी और स्थिर, टिकाऊ उन्नति धीरे-धीरे आती है; देरी पहले सिखाती है, फिर देती है।

मेष लग्न के लिए शनि भाव 10, 11 का स्वामी है और इस लग्न के लिए अनुकूल ग्रह नहीं माना जाता। इसलिए ऊपर बताए सामान्य फल कम मात्रा में और रुकावटों के साथ मिलेंगे। इस दशा में धन, स्वास्थ्य और अनुबंधों में विशेष सावधानी रखें।

इस कुंडली में शनि भाव 9 में, धनु राशि में है। इसलिए यह अवधि मुख्य रूप से भाग्य, पिता और धर्म के माध्यम से फल देती है।

इस कुंडली में शनि मध्यम बल का है: फल निरंतर प्रयास से मिलते हैं — न बहुत तेज़, न रुके हुए।

शनि महादशा में बुध अंतर्दशा

पढ़ाई, व्यापार, दस्तावेज़ और नए संपर्क।

शनि और बुध मित्र ग्रह हैं, इसलिए अंतर्दशा महादशा का साथ देती है और काम सहजता से बनते हैं।

अगली तीन अवधियाँ

शनि – केतु अवधि

4 फरवरी 2029 – 15 मार्च 2030

वैराग्य, आध्यात्मिक खिंचाव और पुराने मामलों का समापन।

मिश्रित

शनि – शुक्र अवधि

15 मार्च 2030 – 15 मई 2033

संबंध, सुख-सुविधा, वाहन और आनंद।

मिश्रित

शनि – सूर्य अवधि

15 मई 2033 – 27 अप्रैल 2034

मान-सम्मान, अधिकारियों से जुड़े काम, पिता से जुड़े विषय।

मिश्रित

चल रही महादशा-अंतर्दशा और कुंभ राशि से गिने गए गुरु, शनि, राहु, सूर्य और मंगल के गोचर के आधार पर तैयार।

अक्टूबर 2026

★★★★☆

शनि – बुध अवधि

माह के मध्य से सूर्य राशि से नौवें भाव में: बड़े-बुजुर्ग, पिता और आस्था से जुड़े विषय केंद्र में रहेंगे।

करियर काम के लिए अच्छा महीना: आपके प्रयासों पर ध्यान जाएगा और नई ज़िम्मेदारी मिल सकती है।

धन धन के मामले में सावधान रहें: भुगतान में देरी और अतिरिक्त खर्च के संकेत हैं।

स्वास्थ्य ऊर्जा की कमी और चिंता संभव है — दिनचर्या नियमित रखें और बाहर के खाने से बचें।

परिवार घर में गलतफहमी हो सकती है; नरमी से बोलें और बहस से बचें।

🔥 31 अक्टूबर 2026 को गुरु सिंह राशि में प्रवेश करेगा — राशि से भाव 7।

नवंबर 2026

★★★★☆

शनि – बुध अवधि

माह के मध्य से सूर्य राशि से दसवें भाव में: काम, पद और मान-सम्मान के लिए प्रबल समय।

करियर काम में प्रगति; अपना हक माँगने या कुछ नया शुरू करने का अच्छा समय।

धन आर्थिक स्थिति स्थिर; न बड़ा लाभ, न बड़ी हानि।

स्वास्थ्य स्वास्थ्य का ध्यान रखें: थकान, शरीर की गर्मी या तनाव परेशान कर सकते हैं। भरपूर आराम करें।

परिवार घर में थोड़ा समझौता ज़रूरी है; प्रतिक्रिया देने से पहले सुनें।

दिसंबर 2026

★★★★☆

शनि – बुध अवधि

माह के मध्य से सूर्य राशि से ग्यारहवें भाव में: लाभ, इच्छाओं की पूर्ति और मित्रों से सहायता।

करियर वरिष्ठों और सहकर्मियों का सहयोग; रुके हुए काम आगे बढ़ेंगे।

धन अचानक खर्च आ सकते हैं; उधार देने, ज़मानत लेने और जोखिम भरे निवेश से बचें।

स्वास्थ्य सामान्यतः ठीक, पर छोटी तकलीफ़ों को अनदेखा न करें।

परिवार घर में सामान्य महीना; बड़ों और बच्चों के साथ समय बिताएँ।

🔥 6 दिसंबर 2026 को राहु मकर राशि में प्रवेश करेगा — राशि से भाव 12।

जनवरी 2027

★★★★☆

शनि – बुध अवधि

माह के मध्य से सूर्य राशि से बारहवें भाव में: खर्च और यात्राएँ बढ़ेंगी; भरपूर आराम करें और शांति से योजना बनाएँ।

करियर काम के लिए अच्छा महीना: आपके प्रयासों पर ध्यान जाएगा और नई ज़िम्मेदारी मिल सकती है।

धन धन के मामले में सावधान रहें: भुगतान में देरी और अतिरिक्त खर्च के संकेत हैं।

स्वास्थ्य ऊर्जा की कमी और चिंता संभव है — दिनचर्या नियमित रखें और बाहर के खाने से बचें।

परिवार पारिवारिक जीवन स्थिर रहेगा; छोटे मतभेद बातचीत से सुलझ जाएँगे।

🔥 25 जनवरी 2027 को गुरु कर्क राशि में प्रवेश करेगा — राशि से भाव 6।

फ़रवरी 2027

★★★★☆

शनि – बुध अवधि

माह के मध्य से सूर्य आपकी राशि पर: ध्यान स्वयं पर और स्वास्थ्य पर रहेगा। अहं के टकराव से बचें।

करियर काम में प्रगति; अपना हक माँगने या कुछ नया शुरू करने का अच्छा समय।

धन यह महीना सट्टे या नए कर्ज़ के लिए ठीक नहीं; कुछ धन बचाकर रखें।

स्वास्थ्य स्वास्थ्य का ध्यान रखें: थकान, शरीर की गर्मी या तनाव परेशान कर सकते हैं। भरपूर आराम करें।

परिवार पारिवारिक मामलों में धैर्य चाहिए; महत्वपूर्ण पारिवारिक निर्णय टाल दें।

मार्च 2027

★★★★☆

शनि – बुध अवधि

माह के मध्य से सूर्य राशि से दूसरे भाव में: ध्यान परिवार और धन पर जाएगा। सोच-समझकर बोलें।

करियर वरिष्ठों और सहकर्मियों का सहयोग; रुके हुए काम आगे बढ़ेंगे।

धन अचानक खर्च आ सकते हैं; उधार देने, ज़मानत लेने और जोखिम भरे निवेश से बचें।

स्वास्थ्य वाहन सावधानी से चलाएँ और अधिक परिश्रम से बचें; तकलीफ़ पर शुरू में ही ध्यान दें।

परिवार परिवार के किसी सदस्य से दूरी या उसकी चिंता संभव है; संपर्क बनाए रखें और शांत रहें।

अप्रैल 2027

★★★★☆

शनि – बुध अवधि

माह के मध्य से सूर्य राशि से तीसरे भाव में: साहस और प्रयास फल देंगे। नए प्रयासों के लिए अच्छा समय।

करियर काम के लिए अच्छा महीना: आपके प्रयासों पर ध्यान जाएगा और नई ज़िम्मेदारी मिल सकती है।

स्वास्थ्य स्वास्थ्य के लिए औसत महीना; अनियमित भोजन और देर रात जागने से बचें।

धन धन के मामले में सावधान रहें: भुगतान में देरी और अतिरिक्त खर्च के संकेत हैं।

परिवार पारिवारिक जीवन स्थिर रहेगा; छोटे मतभेद बातचीत से सुलझ जाएंगे।

मई 2027

★★★★☆

शनि – बुध अवधि

माह के मध्य से सूर्य राशि से चौथे भाव में: घर, माता और संपत्ति पर ध्यान देना होगा।

करियर काम में प्रगति; अपना हक माँगने या कुछ नया शुरू करने का अच्छा समय।

स्वास्थ्य स्वास्थ्य का ध्यान रखें: थकान, शरीर की गर्मी या तनाव परेशान कर सकते हैं। भरपूर आराम करें।

धन यह महीना सट्टे या नए कर्ज के लिए ठीक नहीं; कुछ धन बचाकर रखें।

परिवार पारिवारिक मामलों में धैर्य चाहिए; महत्वपूर्ण पारिवारिक निर्णय टाल दें।

जून 2027

★★★★☆

शनि – बुध अवधि

माह के मध्य से सूर्य राशि से पाँचवें भाव में: संतान, पढ़ाई और योजनाएँ केंद्र में रहेंगी; निर्णय से पहले सोचें।

करियर वरिष्ठों और सहकर्मियों का सहयोग; रुके हुए काम आगे बढ़ेंगे।

स्वास्थ्य वाहन सावधानी से चलाएँ और अधिक परिश्रम से बचें; तकलीफ़ पर शुरू में ही ध्यान दें।

धन अचानक खर्च आ सकते हैं; उधार देने, ज़मानत लेने और जोखिम भरे निवेश से बचें।

परिवार घर में सामान्य महीना; बड़ों और बच्चों के साथ समय बिताएँ।

🕒 26 जून 2027 को गुरु सिंह राशि में प्रवेश करेगा — राशि से भाव 7।

🕒 3 जून 2027 को शनि मेष राशि में प्रवेश करेगा — राशि से भाव 3।

जुलाई 2027

★★★★☆

शनि – बुध अवधि

माह के मध्य से सूर्य राशि से छठे भाव में: विरोधी और बाधाएँ हटेंगी; दफ़्तरों में रुके काम आगे बढ़ेंगे।

करियर काम के लिए अच्छा महीना: आपके प्रयासों पर ध्यान जाएगा और नई ज़िम्मेदारी मिल सकती है।

स्वास्थ्य स्वास्थ्य के लिए औसत महीना; अनियमित भोजन और देर रात जागने से बचें।

धन धन आया पर जाएगा भी — हो सके तो बड़ी खरीदारी टाल दें।

परिवार पारिवारिक जीवन स्थिर रहेगा; छोटे मतभेद बातचीत से सुलझ जाएंगे।

अगस्त 2027

★★★★☆

शनि – बुध अवधि

माह के मध्य से सूर्य राशि से सातवें भाव में: जीवनसाथी और साझेदार केंद्र में रहेंगे; यात्रा के योग हैं।

करियर काम में प्रगति; अपना हक माँगने या कुछ नया शुरू करने का अच्छा समय।

स्वास्थ्य स्वास्थ्य सामान्य रहेगा; हल्की थकान आराम से दूर हो जाएगी।

धन आर्थिक स्थिति स्थिर; न बड़ा लाभ, न बड़ी हानि।

परिवार घर में थोड़ा समझौता ज़रूरी है; प्रतिक्रिया देने से पहले सुनें।

सितंबर 2027

★★★★☆

शनि – बुध अवधि

माह के मध्य से सूर्य राशि से आठवें भाव में: धीरे चलें, स्वास्थ्य का ध्यान रखें और जोखिम से बचें।

करियर वरिष्ठों और सहकर्मियों का सहयोग; रुके हुए काम आगे बढ़ेंगे।

स्वास्थ्य सामान्यतः ठीक, पर छोटी तकलीफ़ों को अनदेखा न करें।

धन आय और खर्च संतुलित रहेंगे; खर्च की तय सीमा में रहें।

परिवार घर में सामान्य महीना; बड़ों और बच्चों के साथ समय बिताएँ।

◉ विवाह और करियर के अनुकूल समय

वे अवधियाँ जिनमें दशा स्वामी इस कुंडली के सप्तम भाव (विवाह) या दशम और एकादश भाव (करियर और लाभ) से जुड़ा है।

◉ विवाह के लिए अनुकूल अवधियाँ

मार्च 2030 – मई 2033

शनि – शुक्र अवधि

शुक्र सप्तम भाव का स्वामी है। गुरु का गोचर भी इस अवधि में सहायक है।

अनुकूल

📁 करियर में उन्नति के लिए अनुकूल अवधियाँ

अक्टूबर 2026 – फ़रवरी 2029

शनि – बुध अवधि

बुध दशम भाव में स्थित है। शनि का गोचर भी इस अवधि में सहायक है।

बहुत अनुकूल

मार्च 2030 – मई 2033

शनि – शुक्र अवधि

शुक्र दशम भाव में स्थित है। गुरु का गोचर भी इस अवधि में सहायक है।

बहुत अनुकूल

ये कुंडली से दिखने वाली अनुकूल अवधियाँ हैं, कोई पक्का आश्वासन नहीं। विवाह के लिए कुंडली मिलान भी करवाएँ।

साढ़े साती

कुंभ राशि पर अभी साढ़े साती चल रही है — 3 में से चरण 3।

यह साढ़े साती: 24 जनवरी 2020 से 23 फ़रवरी 2028 तक

चरण 1 — शनि राशि से बारहवें भाव में

24 जनवरी 2020 – 29 अप्रैल 2022, 12 जुलाई 2022 – 17 जनवरी 2023

खर्च, यात्रा और स्थान परिवर्तन बढ़ते हैं; नींद और मन की शांति का ध्यान रखें। धन की योजना सोच-समझकर बनाएँ और नए कर्ज़ से बचें।

चरण 2 — शनि जन्म राशि पर (चरम)

29 अप्रैल 2022 – 12 जुलाई 2022, 17 जनवरी 2023 – 29 मार्च 2025

सबसे भारी भाग: ज़िम्मेदारी, तन-मन पर दबाव और धीमे फल। धैर्य से काम करें, स्वास्थ्य का ध्यान रखें और बड़े जोखिम से बचें — अभी जो बनता है, वह टिकता है।

चरण 3 — शनि राशि से दूसरे भाव में

29 मार्च 2025 – 3 जून 2027, 20 अक्टूबर 2027 – 23 फ़रवरी 2028

दबाव धीरे-धीरे कम होता है। परिवार और धन के मामलों पर ध्यान और संयमित वाणी ज़रूरी है; अंत की ओर बचत फिर सँभलने लगती है।

🙏 सरल उपाय

- शनिवार को शनि देव के लिए तिल के तेल का दीपक जलाएँ
- हनुमान चालीसा या शनि स्तोत्र का पाठ करें
- बुजुर्गों, श्रमिकों और ज़रूरतमंदों की सहायता करें
- काम में ईमानदार और धैर्यवान रहें — शनि अनुशासन का फल देते हैं

🟡 गुरु (बृहस्पति) की वर्तमान स्थिति

गुरु 31 अक्टूबर 2026 तक कर्क राशि में है: राशि से भाव 6 और लग्न से भाव 4।

छठे भाव में गुरु: स्वास्थ्य, ऋण और विरोधियों पर ध्यान रखें; काम का दबाव बढ़ता है। उधार देने और ज़मानत लेने से बचें। लग्न से गिनने पर यह माता, घर, भूमि और वाहन को सक्रिय करता है।

आगे: 31 अक्टूबर 2026 को गुरु सिंह राशि में प्रवेश करेगा — राशि से भाव 7।

🟢 शनि की वर्तमान स्थिति

शनि 3 जून 2027 तक मीन राशि में है: राशि से भाव 2 और लग्न से भाव 12।

दूसरे भाव में शनि: साढ़े साती का अंतिम भाग — परिवार और धन का ध्यान रखें; नरमी से बोलें। लग्न से गिनने पर यह व्यय, विदेश और त्याग को सक्रिय करता है।

आगे: 3 जून 2027 को शनि मेष राशि में प्रवेश करेगा — राशि से भाव 3।

🌌 राहु और केतु की वर्तमान स्थिति

6 दिसंबर 2026 तक राशि से राहु भाव 1 में और केतु भाव 7 में है।

राहु और केतु के कारण अभी सावधानी चाहिए: भ्रम, बेचैनी या गलतफ़हमी हो सकती है। जोखिम भरे निर्णयों और गलत संगति से बचें।

🌟 ग्रह स्थिति विवरण

ग्रह	राशि	अंश	नक्षत्र	चरण	भाव	स्थिति
सूर्य	धनु	16.92°	पूर्वाषाढ़ा	2	9	मार्गी
चंद्र	कुंभ	7.12°	शतभिषा	1	11	मार्गी
मंगल	वृश्चिक	16.67°	ज्येष्ठा	1	8	मार्गी
बुध	मकर	1.34°	उत्तराषाढ़ा	2	10	मार्गी
गुरु	मिथुन	11.61°	आर्द्रा	2	3	मार्गी
शुक्र	मकर	9.79°	उत्तराषाढ़ा	4	10	मार्गी
शनि	धनु	21.88°	पूर्वाषाढ़ा	3	9	मार्गी
राहु	मकर	24.73°	धनिष्ठा	1	10	वक्री
केतु	कर्क	24.73°	आश्लेषा	3	4	वक्री
लग्न	मेष	7.64°	अश्विनी	3	1	मार्गी

☀️ ग्रह बल और स्वभाव

प्रत्येक ग्रह किस राशि में स्थित है, उसके आधार पर उसका **बल**, **स्वभाव** और **शुभ/पाप स्थिति** निर्धारित होती है।



सूर्य

धनु • 16.9°

🏠 मित्र राशि

पाप



चंद्र

कुंभ • 7.1°

☸️ सम राशि

सम



मंगल

वृश्चिक • 16.7°

🏠 स्वगृही

पाप



बुध

मकर • 1.3°

☸️ सम राशि

सम



गुरु

मिथुन • 11.6°

✖️ शत्रु राशि

शुभ



शुक्र

मकर • 9.8°

🏠 मित्र राशि

शुभ



शनि

धनु • 21.9°

☸️ सम राशि

पाप



राहु

मकर • 24.7°

☸️ सम राशि

पाप

वक्री



केतु

कर्क • 24.7°

☸️ सम राशि

पाप

वक्री

↑ उच्च ग्रह: कोई नहीं

↓ नीच ग्रह: कोई नहीं

🏠 स्वगृही ग्रह: मंगल

✅ नैसर्गिक शुभ ग्रह: गुरु, शुक्र

✖️ नैसर्गिक पाप ग्रह: सूर्य, मंगल, शनि, राहु, केतु

टिप्पणी: उच्च = सबसे बलवान स्थिति | नीच = दुर्बल स्थिति | मूलत्रिकोण = शुभ फल देने वाली स्थिति | स्वगृही = बलवान स्थिति | मित्र राशि = अच्छी स्थिति | सम राशि = सामान्य स्थिति | शत्रु राशि = चुनौतीपूर्ण स्थिति | नैसर्गिक शुभ/पाप ग्रह का मूल स्वभाव है — स्थिति (उच्च/नीच) उसके बल को बदलती है।



विंशोत्तरी दशा - अंतर्दशा पूर्ण सारणी (120 वर्ष)

वर्तमान महादशा: शनि (24-May-2023 – 24-May-2042) | वर्तमान अंतर्दशा: शनि-बुध (27-May-2026 – 04-Feb-2029)

महादशा	आरंभ	समाप्ति	
राहु	01-Jan-1990	24-May-2007	
गुरु	24-May-2007	24-May-2023	
शनि	24-May-2023	24-May-2042	◀ वर्तमान
बुध	24-May-2042	24-May-2059	
केतु	24-May-2059	24-May-2066	
शुक्र	24-May-2066	24-May-2086	
सूर्य	24-May-2086	23-May-2092	
चंद्र	23-May-2092	24-May-2102	
मंगल	24-May-2102	24-May-2109	

प्रत्येक महादशा की अंतर्दशाएँ - पूर्ण विवरण

नीचे प्रत्येक महादशा पर क्लिक करके उसकी 9 अंतर्दशाओं के कालखंड देख सकते हैं। वर्तमान महादशा स्वतः खुली हुई दिखाई जाती है।



ग्रह फल विवरण

प्रत्येक ग्रह की वर्तमान बल-स्थिति के आधार पर उसके कारकत्व से जुड़े क्षेत्रों में मिलने वाले **लाभ** और **चुनौतियाँ**:



सूर्य

मित्र राशि

आत्मकारक — स्वास्थ्य, पिता, सरकार, नेतृत्व, यश

• धनु • 16.9° • 9वाँ भाव

✓ **लाभ:** व्यवसाय में प्रगति, सरकारी सहयोग, अच्छे मित्र

⚠ **चुनौतियाँ:** मध्यम चुनौतियाँ



चंद्र

सम राशि

मनःकारक — मन, माता, भावनाएँ, परिवार, कल्पना

• कुंभ • 7.1° • 11वाँ भाव

✓ **लाभ:** सामान्य मनःस्थिति, जीवन सामान्य गति से

⚠ **चुनौतियाँ:** विशेष प्रगति कम



मंगल

स्वगृही

भ्रातृकारक — भाई-बहन, भूमि, पराक्रम, रक्त, संपत्ति

• वृश्चिक • 16.7° • 8वाँ भाव

✓ **लाभ:** भाई-बहनों से अच्छे संबंध, व्यवसाय में वृद्धि, भूमि/मकान से आर्थिक लाभ

⚠ **चुनौतियाँ:** कभी-कभी अधिक क्रोध



बुध

सम राशि

वाणीकारक — बुद्धि, व्यापार, शिक्षा, संचार, वाणी

• मकर • 1.3° • 10वाँ भाव

✓ **लाभ:** सामान्य बौद्धिक विकास, मध्यम व्यापारिक स्थिति

⚠ **चुनौतियाँ:** विशेष उपलब्धि कम



गुरु

शत्रु राशि

ज्ञानकारक — गुरु, संतान, विवाह, धन, धर्म

♈ मिथुन • 11.6° • 3वाँ भाव

✓ लाभ: नीचभंग होने पर ही कुछ लाभ संभव

⚠ चुनौतियाँ: संतान की चिंता, विवाह में विलंब, धर्म-पालन में कठिनाई, आर्थिक पिछड़ापन

♊ शुक्र

♋ मित्र राशि

कलत्रकारक — जीवनसाथी, कला, धन, वाहन, सुख

♈ मकर • 9.8° • 10वाँ भाव

✓ लाभ: सामान्य वैवाहिक जीवन, कला में रुचि, थोड़ी आर्थिक वृद्धि

⚠ चुनौतियाँ: छोटी बाधाएँ

♉ शनि

♋ सम राशि

आयुकारक — कठोर परिश्रम, सेवक, रोग, कर्म, न्याय

♈ धनु • 21.9° • 9वाँ भाव

✓ लाभ: सामान्य जीवन, मध्यम ज़िम्मेदारियाँ

⚠ चुनौतियाँ: विशेष उपलब्धि कम, जीवन में कठोरता

♊ राहु

♋ सम राशि

विदेश कारक — अचानक परिवर्तन, विदेश, माया, राजनीति

♈ मकर • 24.7° • 10वाँ भाव

✓ लाभ: सामान्य स्थिति, अचानक परिवर्तन कम

⚠ चुनौतियाँ: विशेष फल कम

♏ केतु

♋ सम राशि

मोक्षकारक — अध्यात्म, चिकित्सा, गूढ़ ज्ञान, वैराग्य

♈ कर्क • 24.7° • 4वाँ भाव

✓ लाभ: सामान्य जीवन-गति, मध्यम आध्यात्मिक रुचि

⚠ चुनौतियाँ: विशेष फल कम

☀️ विशेष ग्रह स्थितियाँ

कुंडली में पाई गई विशेष ग्रह स्थितियाँ और उनके फल:

🔥 अस्त / सूर्य से निकटता (Combustion)

सूर्य के बहुत निकट स्थित ग्रह "अस्त" हो जाते हैं — सूर्य के तेज में उनकी शक्ति मंद पड़ जाती है।

शनि — सूर्य से 5.0° की दूरी पर

⚠️ शनि का कारकत्व कमज़ोर होगा — उन क्षेत्रों (पिता/मन/व्यवसाय आदि) में चुनौतियाँ बढ़ेंगी

✅ सूर्य के सान्निध्य से आध्यात्मिक शक्ति और तीव्र बुद्धि बढ़ सकती है

🔄 वक्री (Retrograde)

वक्री ग्रह पृथ्वी से पीछे की ओर चलते हुए प्रतीत होते हैं। इससे ग्रह की शक्ति तीव्र होती है — यह अतीत और आंतरिक विषयों पर पुनर्विचार कराता है।

राहु — मकर • 24.7°

✅ आंतरिक शक्ति तीव्र होगी, गहन चिंतन, पुराने मामलों को सुधारने का अवसर

⚠️ राहु के कारकत्व वाले विषयों में विलंब और पुनर्गठन; स्पष्ट निर्णय लेने में कठिनाई

केतु — कर्क • 24.7°

✅ आंतरिक शक्ति तीव्र होगी, गहन चिंतन, पुराने मामलों को सुधारने का अवसर

⚠️ केतु के कारकत्व वाले विषयों में विलंब और पुनर्गठन; स्पष्ट निर्णय लेने में कठिनाई

टिप्पणी: नीचभंग = नीच का दोष कम होता है | अस्त = सूर्य के निकट ग्रह | वक्री = ग्रह पीछे चलता प्रतीत होता है | परिवर्तन = दो ग्रहों का स्थान-विनिमय | दिग्बल = ग्रह को दिशा-बल। ये सामान्य सैद्धांतिक व्याख्याएँ हैं — संपूर्ण फल के लिए दशा, तिथि और गोचर को साथ देखना चाहिए।

☀️ योग (Yogas)

इस कुंडली में जाँचे गए सामान्य योगों में से कोई भी सटीक रूप से नहीं बना है। इसका अर्थ यह नहीं कि योग हैं ही नहीं — नवमांश और विशेष योगों का विस्तृत विश्लेषण किसी ज्योतिषी से करवाएँ।

● मंगल दोष (मांगलिक) विश्लेषण

✓ इस कुंडली में मंगल दोष नहीं है।

मंगल लग्न से 8 वें भाव में है। यह भाव दोष-भाव अवश्य है — परंतु शास्त्रीय परिहार नियमों (मंगल स्वराशि / उच्च / मेष-वृश्चिक लग्न आदि) के अनुसार दोष भंग हो जाता है।

📖 कुंडली सारांश

Sample premium का जन्म मेष लग्न में हुआ है, इसलिए वे साहसी, नेतृत्व-क्षमता से युक्त और उत्साही स्वभाव के हैं। मंगल के प्रभाव से त्वरित निर्णय लेने में कुशल हैं।

जन्म राशि कुंभ होने से मानवता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण रहेगा।

नक्षत्र शतभिषा होने से चिकित्सा-कौशल, अनुसंधान की प्रवृत्ति, विज्ञान में रुचि।

👜 करियर फल

Sample premium - मेष लग्न: उद्योग, व्यापार, सेना, पुलिस, खेल और तकनीकी क्षेत्रों में उत्तम अवसर हैं।

💍 विवाह फल

Sample premium की कुंडली में सप्तम भाव तुला है। सप्तम भाव तुला होने से वैवाहिक जीवन अत्यंत सौहार्दपूर्ण रहेगा। जीवनसाथी न्यायप्रिय स्वभाव का होगा।

जीवनसाथी किस दिशा से आएगा?

सप्तमेश शुक्र वर्तमान में मकर राशि (10वें भाव) में स्थित है। मकर राशि की दिशा **दक्षिण (South)** है। अतः आपका जीवनसाथी दक्षिण (South) दिशा से आने की प्रबल संभावना है।

शुक्र दशा तथा सप्तमेश की दशा विवाह के लिए अत्यंत अनुकूल है।

🏥 स्वास्थ्य फल

Sample premium - सिर, मुख और नेत्रों के मामलों में सावधानी आवश्यक है। नियमित व्यायाम लाभकारी रहेगा।

💰 धन-संपत्ति फल

Sample premium की मेष लग्न कुंडली में द्वितीय भाव वृषभ और एकादश भाव कुंभ है। उद्योग, प्रबंधन और साहसिक निवेश से स्थिर आय प्राप्त होगी। 35 वर्ष की आयु के बाद आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार होगा। संपत्ति और वाहन का सुख मिलेगा। एक साथ कई स्रोतों से आय आने का योग है।

धन-लाभ के प्रमुख कालखंड कौन-से हैं?

- **गुरु दशा (2007–2023)** — भाग्येश (नवम भाव का स्वामी)। इस अवधि में आय में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, संपत्ति-संचय की प्रबल संभावना है।
- **शनि दशा (2023–2042)** — लाभेश (एकादश भाव का स्वामी)। परंतु मेष लग्न के लिए शनि अनुकूल ग्रह नहीं माना जाता। इसलिए इस अवधि में धन तो आएगा, पर साथ में खर्च, विलंब और भाग-दौड़ भी रहेगी। बचत, ऋण और बड़े निवेश में संयम रखें।
- **शुक्र दशा (2066–2086)** — धनेश (द्वितीय भाव का स्वामी)। परंतु मेष लग्न के लिए शुक्र अनुकूल ग्रह नहीं माना जाता। इसलिए इस अवधि में धन तो आएगा, पर साथ में खर्च, विलंब और भाग-दौड़ भी रहेगी। बचत, ऋण और बड़े निवेश में संयम रखें।

नोट: इस लग्न के लिए धन के विषय में सबसे महत्वपूर्ण ग्रह धनेश (शुक्र) और लाभेश (शनि) हैं। इनकी दशा-अंतर्दशा में आय के अवसर खुलते हैं; कितना मिलेगा, यह उस ग्रह के बल और उसके बैठे भाव पर निर्भर है।

🙏 उपाय

देव-पूजा:

- हनुमान जी की पूजा लाभकारी रहेगी

रत्न:

- माणिक्य/मूंगा धारण करना अनुकूल रहेगा (ज्योतिषी से परामर्श अवश्य लें)

दशा उपाय:

- शनिवार को शनि मंदिर में दर्शन करें
- सरसों/तिल के तेल का दीपक जलाएँ
- 'ॐ शं शनैश्चराय नमः' का जप करें

सामान्य उपाय:

- प्रतिदिन सूर्य को जल (अर्घ्य) अर्पित करें
- गाय को रोटी और पानी दें
- नवग्रह मंदिर में दर्शन करें
- यथाशक्ति दान-पुण्य करें



शुभ विवरण (Lucky Details)



शुभ रंग
नीला



शुभ दिन
शनिवार



शुभ अंक
8



शुभ रत्न
नीलम



इष्ट देव
शनि देव



स्वभाव
नवोन्मेषी, मानवतावादी



नाम के पहले अक्षर
गो



भावाधिपति विवरण — शुभ और अशुभ ग्रह

मेष लग्न वालों के लिए सामान्य ग्रह-बलाबल:

✓ शुभ ग्रह (Benefics)

सूर्य

गुरु

मंगल

✗ अशुभ ग्रह (Malefics)

बुध

शुक्र

राहु/केतु — सदैव स्वाभाविक पाप ग्रह

★ योगकारक (Yogakaraka)

शनि

यह ग्रह अपनी दशा/अंतर्दशा में श्रेष्ठ फल देता है

नोट: यह मेष लग्न का सामान्य ग्रह-बलाबल है। कुंडली में ग्रहों की दशा, अंतर्दशा और स्थिति के अनुसार व्यक्तिगत फल भिन्न हो सकते हैं। किसी विद्वान् ज्योतिषी से परामर्श लेना श्रेयस्कর है।

12 भावों का संक्षिप्त विवरण (House Summary)

भाव	ग्रह	विषय
1 वाँ भाव	लग्न	लग्न (शरीर, स्वास्थ्य, स्वभाव)
2 वाँ भाव	—	परिवार, धन, वाणी
3 वाँ भाव	गुरु	भाई-बहन, साहस, छोटी यात्रा
4 वाँ भाव	केतु	माता, घर, संपत्ति, शिक्षा
5 वाँ भाव	—	संतान, बुद्धि, प्रेम
6 वाँ भाव	—	ऋण, शत्रु, रोग, सेवा
7 वाँ भाव	—	विवाह, साझेदार, व्यापार
8 वाँ भाव	मंगल	आयु, गूढ़ संपत्ति
9 वाँ भाव	सूर्य, शनि	पिता, भाग्य, लंबी यात्रा
10 वाँ भाव	बुध, शुक्र, राहु	करियर, कर्म, प्रतिष्ठा
11 वाँ भाव	चंद्र	लाभ, मित्रता, इच्छाएँ
12 वाँ भाव	—	व्यय, विदेश, मोक्ष

अंक ज्योतिष (Astro Numerology)

मूलांक

1

स्वामी ग्रह: सूर्य

भाग्यांक

3

स्वामी ग्रह: गुरु

मूलांक 1 — फल

नेतृत्व, स्वतंत्रता, अग्रणी स्वभाव

मित्र अंक: 2,4,9 | शत्रु अंक: 6,8

भाग्यांक 3 — फल

ज्ञान, दर्शन, आध्यात्मिक विकास

मित्र अंक: 2,9 | शत्रु अंक: 1,6,8

⚠️ अंक ज्योतिष एक सहायक विद्या है। मूलांक = जन्म-तारीख के अंकों का योग। भाग्यांक = जन्म तिथि, माह और वर्ष के सभी अंकों का योग।

⚠️ दोष विश्लेषण (Dosha Analysis)

यह दोष-विश्लेषण मूल ग्रह-स्थितियों के आधार पर किया गया है। सटीक दोष-निर्णय के लिए किसी अनुभवी ज्योतिषी से मिलें।

दोष	स्थिति	विवरण
मंगल दोष Mangal Dosha	✅ नहीं है	मंगल 8 वें भाव में है। वैवाहिक जीवन में बाधा नहीं है।
काल सर्प दोष Kaal Sarp Dosha	✅ नहीं है	राहु 10वें भाव में और केतु 4वें भाव में है। सभी ग्रह एक ओर नहीं हैं।
चंद्र ग्रहण दोष Chandra Grahan Dosha	✅ नहीं है	चंद्रमा 11वें भाव में राहु/केतु से मुक्त है।
गंडमूल दोष Gandmool Dosha	✅ नहीं है	जन्म नक्षत्र शतभिषा गंडमूल नक्षत्रों (अश्विनी, आश्लेषा, मघा, ज्येष्ठा, मूल, रेवती) में नहीं है।
पितृ दोष Pitru Dosha	✅ नहीं है	सूर्य 9वें भाव में राहु/केतु की युति से मुक्त है।
शनि दोष Shani Dosha	✅ नहीं है	शनि 9वें भाव में है, अतः तीव्र शनि दोष नहीं है।

💍 विवाह विवरण (मेष लग्न)

जीवनसाथी का स्वभाव	साहसी, फुर्तीला और स्वाभिमानी जीवनसाथी मिलेगा। मेष लग्न वालों के सप्तम भाव (तुला) पर शुक्र का स्वामित्व होने से सुंदर और संतुलित स्वभाव का जीवनसाथी मिलता है।		
आने की दिशा	दक्षिण दिशा	शुभ दिन	मंगलवार, शुक्रवार
विवाह के शुभ मास	फाल्गुन, चैत्र, वैशाख	शुभ नक्षत्र	अश्विनी, विशाखा, अनुराधा

⚠️ ये विवरण लग्न पर आधारित सामान्य विश्लेषण मात्र हैं। विवाह मुहूर्त और कुंडली मिलान के लिए अनुभवी ज्योतिषी से मिलें।

🏠 वास्तु विवरण (मेष लग्न)

मुख्य द्वार की दिशा	दक्षिण या पूर्व	शुभ दिशा	दक्षिण
अनुकूल रंग	लाल, नारंगी, पीला	वर्जित रंग	काला, गहरा नीला
आराध्य देव	हनुमान जी, कार्तिकेय	निर्माण/गृह प्रवेश का दिन	मंगलवार, रविवार

👁️ ग्रह दृष्टि विवरण (Graha Drishti)

सभी ग्रह अपने भाव से 7वें भाव को देखते हैं। मंगल 4, 8वें भावों को; गुरु 5, 9वें भावों को; शनि 3, 10वें भावों को अतिरिक्त दृष्टि से देखता है।

ग्रह	भाव	दृष्ट भाव	दृष्ट ग्रह
सूर्य	9	3वाँ भाव	गुरु
चंद्र	11	5वाँ भाव	—
मंगल	8	2वाँ भाव, 11वाँ भाव, 3वाँ भाव	चंद्र, गुरु
बुध	10	4वाँ भाव	केतु
गुरु	3	9वाँ भाव, 7वाँ भाव, 11वाँ भाव	सूर्य, चंद्र, शनि
शुक्र	10	4वाँ भाव	केतु
शनि	9	3वाँ भाव, 11वाँ भाव, 6वाँ भाव	चंद्र, गुरु
राहु	10	4वाँ भाव	केतु

☀️ तारा बल सारणी (Tara Bala) — शतभिषा नक्षत्र

आपके जन्म नक्षत्र **शतभिषा** के आधार पर 9 तारा प्रकारों की गणना की गई है। किस नक्षत्र के दिन क्या करना शुभ है, यह सारणी बताती है।

#	तारा	स्वामी ग्रह	फल	क्रिया	नक्षत्र
1	जन्म तारा	सूर्य	कठिनाई संभव	सावधानी रखें	आर्द्रा, स्वाति, शतभिषा
2	संपत् तारा	चंद्र	धन, समृद्धि	अनुकूल	पुनर्वसु, विशाखा, पूर्वा भाद्रपद
3	विपत् तारा	मंगल	बाधा, हानि	टालें	पुष्य, अनुराधा, उत्तरा भाद्रपद
4	क्षेम तारा	राहु	कल्याण, प्रसन्नता	अनुकूल	आश्लेषा, ज्येष्ठा, रेवती
5	प्रत्यरि तारा	शनि	विरोध, बाधा	टालें	अश्विनी, मघा, मूल
6	साधक तारा	गुरु	सफलता, सिद्धि	अनुकूल	भरणी, पूर्वा फाल्गुनी, पूर्वाषाढ़ा
7	वध तारा	शुक्र	संकट, कठिनाई	टालें	कृत्तिका, उत्तरा फाल्गुनी, उत्तराषाढ़ा
8	मित्र तारा	बुध	मित्रता, सहयोग	अनुकूल	रोहिणी, हस्त, श्रवण
9	अति मित्र तारा	सूर्य	अत्यंत शुभ	अति अनुकूल	मृगशिरा, चित्रा, धनिष्ठा

ज्योतिष मूल जानकारी — मेष लग्न के भावेश

भाव	विषय	स्वामी (भावेश)	भावेश की स्थिति
1 वाँ भाव	शरीर/स्वास्थ्य	मंगल	8वें भाव में
2 वाँ भाव	परिवार/धन	शुक्र	10वें भाव में
3 वाँ भाव	भाई-बहन/साहस	बुध	10वें भाव में
4 वाँ भाव	माता/संपत्ति	चंद्र	11वें भाव में
5 वाँ भाव	संतान/बुद्धि	सूर्य	9वें भाव में
6 वाँ भाव	ऋण/शत्रु/रोग	बुध	10वें भाव में
7 वाँ भाव	विवाह/साझेदार	शुक्र	10वें भाव में
8 वाँ भाव	आयु/गूढ़ संपत्ति	मंगल	8वें भाव में
9 वाँ भाव	भाग्य/यात्रा	गुरु	3वें भाव में
10 वाँ भाव	करियर/कर्म	शनि	9वें भाव में
11 वाँ भाव	लाभ/मित्रता	शनि	9वें भाव में
12 वाँ भाव	व्यय/मोक्ष	गुरु	3वें भाव में

रत्न सुझाव (Gemstone)

राशि रत्न	💙 Blue Sapphire (नीलम)	स्वामी ग्रह	शनि (Saturn)
वैकल्पिक रत्न	Lapis Lazuli	शुभ रंग	नीला, चांदी
लाभ	मित्रता, नवाचार, समाज-सेवा		
लग्न रत्न (मेघ)	🔴 Coral (मूंगा) — मंगल (Mars)		

कुंभ राशि के लिए नीलम श्रेष्ठ है। यह शनि ग्रह को बलवान कर सामाजिक प्रभाव और दीर्घकालिक सफलता देता है।

⚠️ रत्न धारण करने से पहले किसी अनुभवी ज्योतिषी से परामर्श लेकर सही वजन, धातु और शुभ मुहूर्त जान लें।

🌟 सामान्य स्वभाव (General Character)

मानवता से परिपूर्ण होते हैं। मन में सदैव नवीन विचार उमड़ते रहते हैं। समाज-कल्याण में गहरी रुचि रखते हैं। स्वतंत्र स्वभाव के होते हैं; रुढ़ियों के विरुद्ध सोचते हैं। मित्रों से अत्यधिक स्नेह रखते हैं। तकनीक और विज्ञान में अधिक रुचि रखते हैं। दूसरों की पीड़ा समझकर सहायता करने का स्वभाव रखते हैं। परिवर्तन पसंद करते हैं; पुरानी परंपराओं पर प्रश्न उठाते हैं। अपने विचारों को संसार में फैलाने की रुचि रखते हैं।

📖 शिक्षा (Education)

विज्ञान, तकनीक, कंप्यूटर, समाजशास्त्र, शोध और मानविकी जैसे विषयों में श्रेष्ठ रहते हैं। परंपरागत शिक्षा-पद्धति पर प्रश्न उठाने वाले विद्यार्थी होते हैं। नए आविष्कारों में रुचि दिखाते हैं। स्व-अध्ययन से अपना ज्ञान बढ़ाते हैं। भविष्योन्मुखी क्षेत्रों में उच्च शिक्षा प्राप्त करते हैं।

💼 करियर (Career)

तकनीक, कंप्यूटर, विज्ञान, समाज-सेवा, शोध, मीडिया, कानून और ई-कॉमर्स जैसे क्षेत्रों में सफल होते हैं। नई तकनीकी कंपनियाँ स्थापित करते हैं। सामाजिक परिवर्तन के लिए कार्यरत संस्थाओं में काम करते हैं। मित्र-मंडली में यश प्राप्त करते हैं। व्यवसाय में नवीन मार्ग अपनाते हैं।

🏠 परिवार (Family)

परिवार में स्वतंत्र विचारों वाले होते हैं। जीवनसाथी से समानता का व्यवहार करते हैं। बच्चों को स्वतंत्र वातावरण देते हैं; उनके सपनों का समर्थन करते हैं। मित्रों को परिवार के समान मानते हैं। घर में सदैव नवीनता भरा वातावरण रहता है।

🏥 स्वास्थ्य (Health)

टखनों और रक्त-संचार से जुड़ी समस्याएँ आ सकती हैं। स्नायु से जुड़ी परेशानियाँ हो सकती हैं। मानसिक तनाव को सावधानी से सँभालें। ध्यान और योग बहुत सहायक रहेंगे। मित्रों और समाज से जुड़ाव मानसिक शांति देता है। नियमित नींद अत्यंत आवश्यक है।

गुरु गोचर ★★★★★

गुरु कुंभ से षष्ठ भाव में हैं। षष्ठ भाव शत्रु, कर्ज और रोग का है — वहाँ का गुरु बहुत शुभ नहीं माना जाता; पर उनकी नवम दृष्टि द्वितीय भाव पर पड़ती है, जहाँ कुंभ की उतरती साढ़े साती चल रही है।

षष्ठ भाव का गुरु — शुभत्व मंद, पर काम का

षष्ठ भाव ज्योतिष में दुःस्थान माना जाता है — शत्रु, कर्ज, रोग, प्रतिस्पर्धा और सेवा। शुभ ग्रह यहाँ आए तो उसका शुभत्व कुछ मंद पड़ जाता है; इसलिए उच्च का गुरु भी कुंभ को सीधे भर-भरकर नहीं देता। शनि कुंभ के स्वामी और गुरु-शनि तटस्थ हैं, इसलिए विरोध नहीं पर उत्साह भी नहीं। इस गोचर का असली फल अलग स्वरूप का है। षष्ठ घर का गुरु शत्रु को मित्र बनाता है, पुराना कर्ज चुकवाता है और जीर्ण रोग को क्राबू में लाता है। स्वास्थ्य सेवा, विधि, लेखा-परीक्षा, सुरक्षा और सेवा क्षेत्र में काम करने वाले कुंभ जातकों के लिए यह वर्ष अच्छा जाता है। प्रतियोगी परीक्षा देने वालों के लिए भी यह गोचर अनुकूल है — षष्ठ भाव प्रतिस्पर्धा का ही घर है।

शनि गोचर ★★★★★

शनि — कुंभ के स्वामी — जन्मराशि से द्वितीय भाव में हैं। यानी कुंभ राशि की साढ़े साती का तीसरा, उतरता चरण चल रहा है। साढ़े साती का अर्थ है चंद्र राशि से द्वादश, प्रथम और द्वितीय भाव में शनि; कुंभ आखिरी सीढ़ी पर है और 3 जून 2027 को वह समाप्त होगी।

उतरती साढ़े साती — आखिरी और सबसे व्यावहारिक परीक्षा

द्वितीय भाव का अर्थ है संचित धन, परिवार, अन्न और वाणी। साढ़े साती के तीसरे चरण में शनि इसी घर में होते हैं, इसलिए इस चरण की परीक्षा शरीर की नहीं — घर और पैसे की व्यवस्था की होती है। जनवरी 2023 से शुरू हुई कुंभ की साढ़े साती का यह आखिरी चढ़ाव है। शनि ही कुंभ के स्वामी हैं, और अपनी राशि के स्वामी की साढ़े साती दूसरी राशियों जितनी तीखी नहीं होती। इस चरण में प्रायः यह होता है — परिवार की ज़रूरतें एकदम बढ़ जाती हैं, बुजुर्गों की ज़िम्मेदारी सिर पर आती है, बोले हुए शब्दों से नुकसान होता है और खर्च क्राबू में नहीं रहता। पर उसी समय पिछले पाँच वर्षों की मेहनत का फल भी इसी चरण में दिखने लगता है।

राहु / केतु गोचर ★★★★★

राहु कुंभ राशि में ही — यानी जन्मराशि में — हैं और केतु सप्तम भाव में। जन्मराशि का राहु व्यक्तित्व, महत्वाकांक्षा और जीवन की दिशा तीनों की पुनर्व्यवस्था करता है।

जन्मराशि का राहु — नई पहचान गढ़ने वाला डेढ़ वर्ष

राहु का जन्मराशि में होना बारह वर्ष में एक बार आने वाला चरण है। 18 मई 2025 से कुंभ जातक के जीवन में कुछ बुनियादी बदला होगा — नौकरी, शहर, दिखावट, सोचने का ढंग या अपने बारे में बनी धारणा ही।

शनि कुंभ के स्वामी और वही राहु के दिशा-निर्धारक। शनि इस समय मीन में, यानी कुंभ से द्वितीय भाव में — जहाँ इस राशि की उतरती साढ़े साती चल रही है। जन्मराशि का राहु और द्वितीय भाव का शनि, यह जोड़ी कुंभ को महत्वाकांक्षा और आर्थिक अनुशासन के बीच खींचती है। ईमानदारी से दर्ज करने लायक बात यह कि जन्मराशि का राहु आत्मविश्वास बढ़ाता है, पर साथ में बेचैनी भी — नींद कम होना, मन एक जगह न लगना और अपने बारे में अवास्तविक अपेक्षा इस स्थान के नियमित परिणाम हैं। सप्तम भाव का केतु जीवनसाथी के मामले में दूरी लाता है।



महत्वपूर्ण सूचना (Important Disclaimer)

यह कुंडली कंप्यूटर गणना द्वारा तैयार की गई है। यह केवल सामान्य जानकारी है। विवाह, करियर, संपत्ति क्रय, रोग-उपचार जैसे महत्वपूर्ण निर्णयों

के लिए किसी योग्य ज्योतिषी से व्यक्तिगत परामर्श अवश्य लें।

This horoscope is computer-generated for informational purposes only. Please consult a qualified astrologer before making important life decisions.